## Padma Shri



# Dr. Manjula Anagani

Dr. Manjula Anagani is Director, Women and Child Unit, Sunshine Super Specialty Hospitals, Hyderabad.

2. Born on November 8, 1968 in a conservative and agriculturist family, Dr. Anagani was the first girl to undertake medicine in the family. She graduated from Gandhi Medical College and did her MD in Obstetrics & Gynecology from Osmania Medical College in Hyderabad and FICOG from Indian College of Obstetrics and Gynecology.

3. Dr. Anagani pioneered the art of Laparoscopy in late 90s when Laparoscopy was an emerging technology. Her achievements include working on ergonomics of woman and evolving newer techniques in Laparoscopy and minimal invasive surgery. She came up with a new Entry Technique to make the surgery less complicated and easier for the surgeon. She has performed more than 10,000 Laparoscopic surgeries in Gynecology catapulting her at the top slot in Andhra Pradesh and one among the few leading Laparoscopic surgeons in India.

4. Dr. Anagani is widely recognized for her work on primary amenorrhea (absent menstrual cycles). She is the First Doctor in the Country to utilize autologous Stem Cells to regenerate endometrium in case of endometrial aplasia (genetically absent lining of uterus). She is accomplished with pioneering a new technique in India to create a Neovagina using a minimally invasive technique for woman with absent vagina.

5. Dr. Anagani has worked as Head of Department for Gynecology in CARE, YASHODA and BEAMS Hospitals. She also worked as a Consultant with Apollo Hospitals. Her expertise in the field of gynecological laparoscopy is recognized in other countries too. She has been a Visiting Laparoscopic Surgeon in NMC Specialty Hospitals, Dubai. She has also been an invited Operating Faculty for many National and International Operative workshops, CME's (Continuous Medical Education) and Conferences. She has been a DNB (Directorate of National Board) teacher since 2006 and Faculty for Ethicon Institute of Surgical Education (EISA) and CeMAST (Centre for Excellence in Minimal Access Surgical Techniques). She is presently the Chairperson for Endoscopic Committee of OGHS (Obst .& Gyn. Society).

6. Dr. Anagani has initiated an advocacy campaign called "Suyosha- a Perfect Woman" to address all aspects of woman's health, child abuse, health education of adolescent girls. She has co -founded an NGO " Pratyusha Foundataion" working for women empowerment; "Wish Come True" for HIV infected kids; 'Say Yes to Health' and free health checkup in slums, orphanage and schools.

7. Dr. Anagani has been honoured with many awards such as Health Care Excellence Award for Best Medical and Healthcare Professionals, Navaratna Mahila Award, Dr. C.S. Dawan Prize and President's Trophy: Dr. Suili Rudra Sinha Prize by FOGSI (Federation of Gyn. & Obst. of India)



# डॉ. मंजुला अनगानी

डॉ. मंजुला अनगानी महिला एवं बाल यूनिट, सनशाइन सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, हैदराबाद की निदेशक हैं।

2. आपका जन्म नवम्बर 08, 1968 को एक रुढ़िवादी एवं कृषक परिवार में हुआ था। आप अपने परिवार की ऐसी पहली लड़की हैं, जिन्होंने चिकित्सा-शास्त्र की पढ़ाई शुरू की। आपने गांधी मेडिकल कॉलेज, हैदराबाद से प्रसूति एवं स्त्री रोग-विज्ञान में एम.डी. तथा इंडियन कॉलेज ऑव ऑबस्टेट्रिक्स एंड गाइनेकोलोजी से एफ आई सी ओ जी की उपाधि प्राप्त की।

3. आपने 90 के दशक के आखिरी वर्षों में लेप्रोस्कोपी विधा की अगुवाई की, जब लेप्रास्कोपी एक उभरती प्रौद्योगिकी थी। आपकी उपलब्धियों में महिलाओं की अर्गोनोमिक्स तथा लेप्रोस्कोपी और न्यूनतम जोखिम की शल्य चिकित्सा में नवीनतर तकनीकों को विकसित करने पर कार्य करना शामिल है। आपने शल्य चिकित्सा को कम जटिल बनाने तथा शल्य चिकित्सक के लिए इसे आसान करने हेतु एक नव-प्रवेशी तकनीक का आगाज किया। आपने स्त्री रोग निदान में 10,000 से भी अधिक लेप्रोस्कोपी शल्य चिकित्साएं निष्पादित कीं जिससे आप आंध्र प्रदेश में शीर्षस्थ श्रेणी में गिनी जाने लगीं तथा भारत के गिने-चुने प्रख्यात लेप्रोस्कोपी शल्य चिकित्सकों के बीच आपकी पहचान बनी।

4. आप व्यापक रूप से प्राइमरी अमेनोरिया (नामौजूद मासिक चक्र) पर किए गए अपने कार्य के लिए जानी जाती हैं। आप एण्डोमेट्रियल एप्लेसिया (आनुवांशिक रूप से नामौजूद गर्भाशय लाइनिंग) के मामले में एण्डोमेट्रियम को पुन: सृजित करने हेतु ऑटोलोगस स्टेम कोशिकाओं का उपयोग करने वाली पहली डॉक्टर हैं। आप नामौजूद योनि वाली महिलाओं के लिए न्यूनतम जोखिम वाली तकनीक का प्रयोग करके भारत में नव-योनि के सृजन हेतु एक नई तकनीक की अगुवाई करने में निष्णात हैं।

5. आपने केयर, यशोदा और बीम्स अस्पतालों में स्त्री रोग-विज्ञान के विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। आपने अपोलो अस्पताल समूह में एक परामर्शदात्री के रूप में कार्य किया है। स्त्री रोग-विज्ञानी लेप्रोस्कोपी के क्षेत्र में आपकी विशेषज्ञता को अन्य देशों में भी जाना और माना जाता है। आप एनएमसी स्पेशियलटी अस्पताल, दुबई में एक अतिथि लेप्रोस्कोपिक शल्य चिकित्सक रही हैं। आप कई एक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ऑपरेटिव कार्यशालाओं, सीएमई (कंटीन्युअस मेडिकल एड्यूकेशन) तथा सम्मेलनों में आमंत्रित ऑपरेटिंग फैकल्टी भी रही हैं। आप वर्ष 2006 से एक डीएनवी (राष्ट्रीय बोर्ड निदेशालय) अध्यापिका और एथिकन इंस्टीट्यूट ऑव सर्जिकल एड्यूकेशन और सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन मिनिमल (CeMAST) एक्सेस सर्जिकल टेकनिक्स की फैकल्टी रही हैं। वर्तमान में आप एन्डोस्कोपिक कमेटी ऑव ओ जी एच एस (ओबस्टेट्रिक्स एंड गाइनेकोलोजिकल सोसायटी) की अध्यक्ष हैं।

6. आपने महिला स्वास्थ्य, बाल दुर्व्यवहार, अवयस्क लड़कियों की स्वास्थ्य शिक्षा के सभी पहलुओं के समाधान हेतु "सुयोशा-एक सम्पूर्ण महिला" के नाम से एक हिमायती अभियान की शुरूआत की है। आपने "प्रत्यूषा फाउण्डेशन" नाम की एक गैर सरकारी संस्था (एन जी ओ) की सह-स्थापना की है जो महिला सशक्तीकरण; एचआईबी संक्रमित शिशुओं के लिए "विश कम ट्रू";तथा 'से यश टु हेल्थ' के लिए कार्य करती है और मलिन बस्तियों, अनाथालयों तथा स्कूलों में मुफ्त स्वास्थ्य-परीक्षण करती है।

7. आपको सर्वोत्तम मेडिकल एंड हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के लिए हेल्थ केयर एक्सीलेंस अवार्ड; नवरत्न महिला अवार्ड, डॉ सी एस धवन प्राइज एवं प्रेसीडेंट ट्राफी; एफ ओ जी एस आई (फेडरेशन ऑव गाइनेकोलोजी एंड ओबेस्टेट्रिक्स ऑव इंडिया) द्वारा डॉ. सुइली रुद्र सिन्हा प्राइज जैसे कई एक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।